PRADHAT
Society for Child Development
Changing attitudes. Changing lives

31th August 2024

AVACAYAM
by SOCIETY FOR CHILD DEVELOPMENT

SATURDAY

EDITOR: SIDDHARTHA

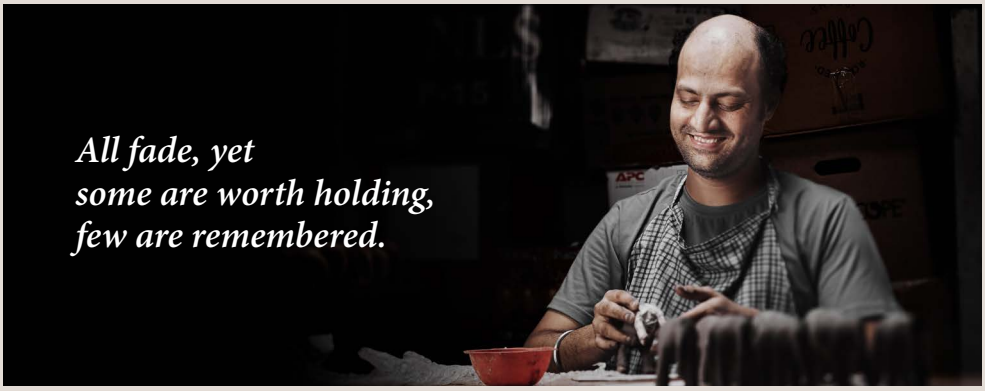

Volume 4 | July Issue 5

"Reaching for the skies"

Many days come and go but only a few we remember. Out of all the time that passes, only some moments matter. So goes with people. Only some are worth remembering, cherishing.

Vipin is such a person. Born with hearing impairment,and at the tender age of 9 he started losing his eyesight. Today, he is has only 10% visionand is 100% deaf and mute.

He makes these animal figurines. Sometimes he makes elephants, sometimes giraffes, but one thing he really likes to make are birds.So, one day one of us went up to him, took his hand and started writing on his palm asking, "Vipin, why do you make birds?"

He pauses, looks up and says,

"I don't know...There is something inside, something which wants to get out... I guess. Get out of here, you know. Takeoff.

I feel tired sometimes, it gets heavy... the weight. The weight of silence, the emptiness. Maybe... one day... I will become what I create and fly away. Leave my body behind. I can sometimes see... inside. I see night skies, the stars, a whole new world. I can almost touch it."

Hearing him say all these things surprised us. Speechless, we just stood there.

This desire to be free from, what he perceives as a shackled life, is a sentiment shared by many in their condition. We try and show them that this particular thought is not true.

His struggles run deeper, harsher than most.
Faithless he feels, with little support.
In the face of a world that turns away,
"what is the purpose?"
"You are alive!"
Find a purpose, a meaning, a song to sing.
You will stand, fall, walk and rise.... always!

A SPECIAL NOTE

Dear Donors,

Thank you for your unwavering support over the years. Your generosity has been the cornerstone of our mission, allowing us to continue our work for 32 years.

Your contributions have made a profound impact, and we are deeply grateful for your commitment to our cause.

With heartfelt appreciation,
Society for Child Development

Paytm

To Help children with disabilities, follow the link and donate.

DONATE RazorPay Link

GIVE.DO Donate Link

Society for Child Development
Registration number : S-22741 of 1992
FCRA Certificate Available for Foriegn Donations
80G Certificate Available for Tax Exemption on Donations above ₹1000

PRABHAT
Society for Child Development
Changing attitudes. Changing lives

31 अगस्त 2024

आवाकायम

सोसाइटी फ़ॉर चाइल्ड डेवलपमेंट द्वारा

शनिवार | बाल विकास के लिए सोसायटी | संपादकः सिद्धार्थ

आयतन 4 | जुलाई अंक 5

“आसमान तक पहुंचनां”

कई दिन आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कुछ ही दिन होते हैं जिन्हें हम याद रखते हैं। बीते हुए समय में से केवल कुछ पल ही महत्वपूर्ण होते हैं। यही बात लोगों के साथ भी है। केवल कुछ ही लोग हैं जिन्हें याद रखा जाता है और संजोया जाता है।

विपिन ऐसा व्यक्ति है। जन्म से ही सुनने में कमी के साथ पैदा हुआ, और महज 9 साल की उम्र में उसने अपनी दृष्टि खोनी शुरु कर दी। आज, उसकी केवल 10% दृष्टि रह गई है और वह पूरी तरह से बहरा और मूक है।

वह इन जानवरों की मूर्तियां बनाता है। कभी वह हाथी बनाता है, कभी जिराफ, लेकिन एक चीज़ जो उसे सचमुच बनाना अच्छा लगता है, वह है पक्षी। तो, एक दिन हम में से एक ने उसके पास जाकर, उसका हाथ पकड़ा और उसकी हथेली पर लिखना शुरु किया, पूछते हुए, ‘विपिन, तुम पक्षी क्यों बनाते हो?’

वह रुकता है, ऊपर देखता है और कहता है,

‘मुझे नहीं पता... अंदर कुछ है, कुछ जो बाहर आना चाहता है...
शायद। यहाँ से बाहर निकलना। उड़ान भरना।’

कभी-कभी मुझे थकावट महसूस होती है, यह भारी हो जाता है... यह वजन। चुप्पी का वजन, खालीपन। शायद... एक दिन... मैं वही बन जाऊँगा जो मैं बनाता हूँ और उड़ जाऊँगा। अपने शरीर को पीछे छोड़ दूँगा। कभी-कभी मैं देख सकता हूँ... अंदर। मैं रात का आकाश, तारे, और एक पूरी नई दुनिया देखता हूँ।

उसे ये सभी बातें कहते सुनकर हमें आश्चर्य हुआ।
हम सब कुछ नहीं बोल पाये और हम बस वहीं खड़े रह गए।

उसकी इस बंधी हुई ज़िंदगी से स्वतंत्रता पाने की इच्छा, जो वह महसूस करता है, कई लोगों की भावनाओं से मेल खाती है। हम कोशिश करते हैं कि उन्हें दिखा सकें कि यह विशेष विचार सच नहीं है। उसकी समस्याएँ अधिक गहरी और कठिन हैं।
वह विश्वासहीन महसूस करता है, और उसे बहुत कम समर्थन मिलता है।
एक ऐसी दुनिया के सामने जो मुहं मोड़ लेती है,

“उद्देश्य क्या है?”
“तुम ज़िंदा हो!”
एक उद्देश्य खोजो, एक अर्थ, एक गीत गाओ।
तुम हमेशा खड़े रहोगे, गिरोगे, चलोगे और उठोगे!

मैं इसे लगभग छू सकता हूँ।

एक विशेष नोट

सालों से आपकी अडिग समर्थन के लिए धन्यवाद। आपकी उदारता हमारे मिशन की आधारशिला रही है, जिसने हमें 32 वर्षों तक अपने काम को जारी रखने की अनुमति दी है।

आपके योगदान ने गहरा प्रभाव डाला है, और हम आपके हमारे उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बहुत आभारी हैं।

दिल से आभार के साथ,
सोसाइटी फ़ॉर चाइल्ड डेवलपमेंट

Paytm

मदद करने के लिए लिंक को क्लिक करें और दान करें।

DONATE RazorPay Link

GIVE.DO Donate Link

Society for Child Development
Registration number : S-22741 of 1992
FCRA Certificate Available for Foriegn Donations
80G Certificate Available for Tax Exemption on Donations above ₹1000

संपादकः सिद्धार्थ | यह प्रकाशन सोसाइटी फॉर चाइल्ड डेवलपमेंट द्वारा किया गया है जो एक पंजीकृत सोसायटी है। | यह समाचार पत्र 27 अगस्त, 2024 को प्रकाशित हुआ था